शहरी भूमि अभिलेख पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **ग्रामीण विकास मंत्रालय ने "शहरी भूमि अभिलेखों के सर्वेक्षण -पुनःसर्वेक्षण में आधुनिक तकनीकों के उपयोग "** पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।

- इसने डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) के तहत **भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण** की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- **100 से अधिक शहरों/कस्बों** में शहरी भूमि रिकॉर्ड बनाने के लिये **राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित शहरी आवास भूमि सर्वेक्षण (नक्शा)** नामक एक पायलट कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।
- भूमि अभिलेख विनिर्माण में **ड्रोन और 3D इमेजरी के साथ एरियल फोटोग्राफी के उपयोग पर प्रकाश डाला गया है।**
- **DILRMP** (पूर्ववर्ती राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम) एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जो 1 अप्रैल, 2016** से प्रभावी है, इसका **100% वित्तपोषण केंद्र द्वारा किया जाता है।**
  - इसका उद्देश्य एक **आधुनिक, व्यापक और पारदर्शी** रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।
  - **DILRMP के अंतर्गत नवीन पहलों में शामिल है:**
    - **विशिष्ट भूमि पार्सल पहचान संख्या (ULPIN) या भू-आधार** (भू-निर्देशांक के आधार पर प्रत्येक भूमि पार्सल के लिये **14 अंकों की अल्फा-न्यूमेरिक विशिष्ट आईडी)**
    - **राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज़ पंजीकरण प्रणाली (NGDRS) या ई-पंजीकरण (कार्यों/दस्तावेज़ों के पंजीकरण हेतु एक समान प्रक्रिया** अपनाना)।

अधिक पढ़ें: भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-workshop-on-urban-land-records